www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 90 | जौनपुर, मंगलवार, 17 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु के साथ बांध विवाद के बीच स्टालिन को लेकर बोले शिवकुमार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंगलवार को विपक्षी पार्टी डीएमके ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय मेकेदातु मुद्दे को फिल्मी अंदाज में हैंडल कर रहे हैं। अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय को डीएमके ने साफ चेतावनी दी कि फिल्मों में वे सोलो परफॉर्मेंस दे सकते हैं, लेकिन राज्य की जीवनरेखा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर उन्हें सबको साथ लेकर चलना होगा। के तमिल मुख पत्र श्मुरासोलीश में कर्नाटक कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा गया है. मुखपत्र में पूछा गया कि क्या उन्हें इस मामले (बांध विवाद) पर राजनीति करनी चाहिए जबकि उनके पास ध्यान देने के लिए कई अन्य मुद्दे मौजूद हैं। डीएमके के अखबार ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार इस तरह बात कर रहे हैं, मानो मेकेदातु बांध बनाना ही उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य हो। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मेकेदातु बांध प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु को एकजुट रुख रखने के लिए सर्वदलीय बैठक की मांग की है। साथ ही उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने जलाशय बनाने के अपने संकल्प को दोहराया था। 7 अगस्त को सीएम विजय ने कहा था कि कावेरी मुद्दे पर पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव उन्होंने ही दिया था, क्योंकि उन्हें एक सकारात्मक नतीजे की उम्मीद थी।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की चर्चा के बाद टली कांग्रेस–सपा बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर मंगलवार को प्रस्तावित बैठक दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत के बाद टल गई है। अब यह बैठक कुछ दिनों बाद होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की बातचीत के दौरान सीट बंटवारे को लेकर एक ''मसौदे'' पर चर्चा हुई, हालांकि इसका विवरण अभी सामने नहीं आया है। सूत्रों ने बताया कि अब दोनों दलों के नेता इस मसौदे और अपनी ओर से निर्धारित फार्मूले के आधार पर आगे की बातचीत करेंगे। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर अब तक सहमति नहीं बन पाई है। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम से इतर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच बातचीत हुई। इस दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर भी चर्चा हुई। इसके बाद दोनों दलों के बीच प्रस्तावित बैठक टालने का फैसला किया गया।

इंद्रियों को नियंत्रण में रखने वाला व्यक्ति उत्कृष्ट शांति को प्राप्त होता है - पीएम मोदी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया है। संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से पीएम मोदी ने लोगों को ज्ञान प्राप्ति करके उत्कृष्ट शांति का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, 'श्रद्धावांल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः। ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।।' साझा किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि जो व्यक्ति श्रद्धा से युक्त, ज्ञान के लिए समर्पित, एकाग्र और इंद्रियों को नियंत्रण में रखने वाला होता है, वही ज्ञान प्राप्त करता है। वह व्यक्ति ज्ञान प्राप्त कर शीघ्र ही उत्कृष्ट शांति को प्राप्त होता है। पीएम की ओर से साझा किया गया यह संस्कृत श्लोक श्रीमद्भगवद्गीता के चौथे अध्याय (ज्ञानकर्म संन्यासयोग) का 39वां श्लोक है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को ज्ञान और भक्ति की महत्ता समझाते हुए बताते हैं कि आध्यात्मिक या दिव्य ज्ञान किसे और कैसे प्राप्त होता है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान ने अर्जुन को समझाया है कि जिस मनुष्य की शास्त्रों, गुरु और ईश्वर में अगाध श्रद्धा है, जो अपनी साधना के प्रति पूरी तरह समर्पित (तत्पर) है और जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर रखा है, वह दिव्य ज्ञान को प्राप्त करता है और उस ज्ञान को पाकर शीघ्र ही परम शांति (मोक्षध्आध्यात्मिक शांति) को प्राप्त कर लेता है। भगवान कहते हैं कि जिसमें गुरु, ईश्वर और शास्त्रों के प्रति अटूट विश्वास और आदर हो, जो ज्ञान प्राप्ति के लिए पूरी लगन और उत्सुकता रखने वाला हो और जिसने अपनी इंद्रियों (काम, क्रोध, लालसा आदि) पर नियंत्रण पा लिया हो, वह बिना किसी देरी के शीघ्र ही परम शांति को प्राप्त कर लेता है।

मोदी शासन में पॉलिसी पैरालिसिस की जगह परफॉर्मेंस की राजनीति – अमित शाह

विजयवाड़ा, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से पालिसी पैरालिसिस (नीतिगत पंगुता) की जगह परफारमेंस की राजनीति ने ले ली है। 2014 से लगातार तीसरी बार सत्ता में आई मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के बारे में बात करते हुए शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद– 370 को हटाना, पांच दशक पुराने नक्सलवाद को खत्म करना, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना और आर्थिक प्रगति करना मोदी सरकार के अच्छे कामों में शामिल है। जहां दुनिया के कई देशों की विकास दर में गिरावट आई है, वहीं मूडीज रेटिंग्स ने भारत के विकास के अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। वह आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में स्टील का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बनकर उभरा है। यहां होने वाला स्टील का उत्पादन अमेरिका और जापान के कुल उत्पादन से भी अधिक है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह (2024) में नायडू के साथ हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए शाह ने कहा कि हालांकि उन्होंने नायडू को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी थी, लेकिन उन्हें आंध्र प्रदेश की प्रगति को लेकर कुछ संदेह था, क्योंकि यह राज्य राजस्व घाटे से जूझ रहा था।

लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक, लेकिन संविधान के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि – उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने ओडिशा विधानसभा के विधायकों से देश की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन जनता और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने रचनात्मक बहस, जानकारीपूर्ण चर्चा, विधायी कार्यकुशलता और जन–केंद्रित शासन को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक बताया। भुवनेश्वर में 17वीं ओडिशा विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने ये बातें कहीं। उपराष्ट्रपति ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम के आयोजन के लिए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाधी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के साथ विधायकों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम बनाती है। सीपी राधाकृष्णन ने भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए वैशाली की लोकतांत्रिक संस्थाओं और चोल काल की 'कुडावोलाई' प्रणाली का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारत के सभ्यतागत इतिहास में गहराई से रचा–बसा है। भारत को 'लोकतंत्र की जननी' होने पर गर्व है और देश की इस ऐतिहासिक विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी वर्तमान जनप्रतिनिधियों की भी है। उपराष्ट्रपति ने जनसेवा को जनप्रतिनिधियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा, "हम चुनाव में वोटों से जीतते हैं।



बजट 2027–28 की तैयारी तेज, निर्मला सीतारमण ने विनिर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ की तीसरी बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को विनिर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ तीसरी प्री–बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2027–28 की तैयारियों के तहत विभिन्न क्षेत्रों से सुझाव जुटाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विनिर्माण उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों, विकास की संभावनाओं और आगामी बजट में शामिल किए जा सकने वाले नीतिगत उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग



खान मंत्रालय और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के सचिवों सहित कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन भी बैठक में मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। विनिर्माण क्षेत्र के साथ हुई यह बैठक वित्त मंत्री की ओर से सप्ताह की शुरुआत में आयोजित परामर्श बैठकों की कड़ी का हिस्सा है। सोमवार को सीतारमण ने कृषि और ग्रामीण विकास क्षेत्र के विशेषज्ञों एवं हितधारकों के साथ दूसरी प्री–बजट बैठक की अध्यक्षता की थी। इस बैठक में ग्रामीण विकास को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और व्यापक अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई थी। इसमें आर्थिक मामलों के विभाग, मत्स्य विभाग और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। इससे पहले सोमवार को ही वित्त मंत्री ने प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री–बजट बैठक की थी। इसमें व्यापक आर्थिक रुझानों, विकास की संभावनाओं और आगामी वित्त वर्ष की नीतिगत प्राथमिकताओं पर सुझाव मांगे गए थे। सरकार बजट की तैयारियों के तहत उद्योग संगठनों के साथ भी लगातार बातचीत कर रही है। हाल ही में पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ हुई चर्चा में उद्योग जगत ने प्रमुख औद्योगिक कच्चे माल और ऊर्जा संबंधी इनपुट पर सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने की मांग उठाई थी।

हैदराबाद में भारत-विरोधी समिट से देश को बदनाम करने की साजिश रची गई, भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हैदराबाद में 14 नवंबर को आयोजित हुई भारत समिट के जरिये भारत–विरोधी ताकतों को मंच देने का आरोप लगाया। कहा– देश को बदनाम करने तथा अस्थिरता पैदा करने की साजिश रची गई। पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इसे विपक्ष के नेता की ओर से आयोजित भारत–विरोधी समिट करार दिया। सोमवार को भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि समिट में पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक को मंच दिया गया, जहां उन्होंने प्वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा लगाया। राहुल ने इस पर आपत्ति नहीं जताई बल्कि वह तालियां बजाते व मुस्कराते दिखे उन्होंने पूछा कि क्या विदेशी व्यक्ति को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर टिप्पणी करने देना देश की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं है? उन्होंने कहा–ष जब देशवासियों ने यह वीडियो देखा तो उन्हें गहरा आघात लगा और शर्मिंदगी हुई। भारत की संप्रभुता और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ी टिप्पणियों पर विपक्ष का नेता भला कैसे ताली बजा सकता है, हंस सकता है ?ष उन्होंने राहुल को 'अराजक, अपरिपक्व और राष्ट्र–विरोधी' विपक्षी नेता बताते हुए उनकी आलोचना की और कहा कि उनका इस पद पर होना देश का दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा –ष्मंच कोई भी हो, विदेशियों को बुलाओ, उनसे भारत के खिलाफ बयान दिलवाओ और इसे उपलब्धि समझो। देश को बदनाम करना ही राहुल गांधी का एजेंडा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल विदेशी शक्तियों से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सरकार का फैसला यहां के मतदाता करते हैं, कोई विदेशी नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल की बार–बार चुनावी हार से उनकी निराशा झलकती है और उन्होंने कांग्रेस को 99 चुनावों में हार की ओर ले जाने का दावा किया। भाटिया ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर लोगों की भावनाओं को सही ढंग से व्यक्त किया था कि चुनावों में लगातार हार से गांधी निराश हो गए हैं। भाटिया ने जॉर्ज सोरोस, जाकिर नाइक, इल्हान उमर, जेरेमी कोर्बिन और प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल का जिक्र करते हुए राहुल पर भारत–विरोधी ताकतों के साथ जुड़ाव का आरोप लगाया।



बदलते मीडिया परिदृश्य को रेगुलेट करने की जरूरत, भ्रामक सूचनाओं और डीप फेक को लेकर – अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को मीडिया के तेजी से बदलते परिदृश्य को रेगुलेट करने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने नागरिकों को सशक्त बनाने और भ्रामक सूचनाओं, डीप फेक तथा बच्चों पर हानिकारक सामग्री से निपटने के उपायों पर जोर दिया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस कार्यक्रम में वैष्णव ने सवाल उठाया कि क्या डिजिटल मंचों के सामुदायिक दिशा–निर्देश इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं, जिसमें भ्रामक विज्ञापन और डिजिटल अरेस्ट जैसे आनलाइन स्कैम शामिल हैं। उन्होंने डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी बल दिया। वैष्णव ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में पिछले दो दशकों की तुलना में कहीं अधिक तकनीकी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने युवा पत्रकारों से समय के साथ खुद को ढालने और अपने कौशल को लगातार निखारते रहने का अनुरोध किया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका पर भी बात की और जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व पर जोर दिया। पीसीआई अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और पत्रकारिता के मानकों को बेहतर बनाने की परिषद की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि आज कोई भी व्यक्ति जो फोन और इंटरनेट का उपयोग करता है, वह खबर फैलाने वाला बन सकता है, लेकिन सभी को पत्रकारिता की नैतिकता का प्रशिक्षण नहीं मिला होता और न ही वे इसके नियमों से बंधे होते हैं।



भारत–मिस्र के स्टार्टअप मिलकर बन सकते हैं 'फोर्स मल्टीप्लायर', पीयूष गोयल ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत–मिस्र व्यापार संबंधों, निवेश सहयोग और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। बैठक में मिस्र की ओर से भारतीय निवेशकों को आकर्षित करने और कारोबारी माहौल को अधिक अनुकूल बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। पीयूष गोयल ने भारत और मिस्र के स्टार्टअप इकोसिस्टम के बीच सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों देशों के स्टार्टअप मिलकर 'फोर्स मल्टीप्लायर' साबित हो सकते हैं। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में पीयूष गोयल ने कहा कि मिस्र के स्टार्टअप्स का काम काफी प्रभावशाली है। विशेष रूप से महिला उद्यमियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि यदि भारत और मिस्र के स्टार्टअप इकोसिस्टम को एक साथ जोड़ा जाए, तो इससे दोनों देशों को लाभ मिल सकता है। दोनों देशों के युवा उद्यमियों को एक–दूसरे के बाजारों में अवसर उपलब्ध कराकर नवाचार, रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। पीयूष गोयल ने कहा कि मिस्र की यात्रा के दौरान उन्हें वहां की आर्थिक प्रगति और प्रतिभा की अपार संभावनाओं को करीब से समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि भारत और मिस्र दोनों प्राचीन सभ्यताएं हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विचार का उल्लेख करते हुए।



सर्दियों के दिनों में बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा - डॉ रामजी सैनी

पीड़ित रोगी तथा बुजुर्ग सहित अन्य लोग बरते सावधानी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।सर्दी का मौसम शुरू होते ही हर वर्ग के लोगों में हार्ट अटैक और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है।ठंड में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।ऐसे में बुजुर्गों, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगियों को विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। इस बात की जानकारी शहर के चिकित्सक डॉ. रामजी सैनी दी। बताया गया कि सर्दियों में अचानक ठंड के संपर्क में आना, सुबह कड़ाके की ठंड में व्यायाम करना और पहले से मौजूद हृदय संबंधी बीमारियां हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकती हैं।बताया कि सीने में दर्द या भारीपन,सांस फूलना,ठंडा पसीना आना, चक्कर और बेचैनी हार्ट अटैक के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं।ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी चिकित्सक तथा उनके सलाह पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना चाहिए। बताया कि चिकित्सालय पहुंचने से पहले रोगी को सीपीआर भी देना चाहिए।डॉक्टर सैनी ने हार्ट अटैक से बचने के लिए लोगों को कुछ उपाय भी बताया।बताया कि ठंड में गर्म कपड़े पहनें और सुबह अत्यधिक ठंड और कोहरे में टहलने से बचें।नियमित ब्लड प्रेशर व शुगर की जांच कराएं, दवाएं समय पर लें,नमक और तली–भुनी चीजों का सेवन न के बराबर करें,पर्याप्त पानी पिएं तथा धूम्रपान से दूरी बनाएं।डॉ.सैनी ने बताया कि समय समय पर जांच, नियमित उपचार और थोड़ी सी सावधानी से हृदय संबंधी गंभीर जोखिम को कम किया जा सकता है।बताया कि सर्दियों में हृदय की सेहत को लेकर जागरूकता और समय पर जांच बेहद जरूरी है।जिन लोगों को पहले हार्ट अटैक आ चुका है या जिनकी एंजियोप्लास्टी अथवा बाईपास सर्जरी हुई है,उन्हें बीच बीच मे अपने चिकित्सक के संपर्क में रहना चाहिए।हार्ट अटैक के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत 112 या एंबुलेंस सेवा की मदद लें।मरीज को स्वयं वाहन चलाकर अस्पताल नहीं जाना चाहिए। समय पर अस्पताल पहुंचना और उचित उपचार मिलना जीवन बचाने में निर्णायक



संपादकीय

नजरिये में खोट है

यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10–15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। संभव है कि नरेंद्र मोदी सरकार इसे अपनी उपलब्धि माने कि विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी–जी राम–जी योजना पर सुस्त प्रगति के कारण सरकारी खजाने में करीब 50,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इस बचत का इस्तेमाल उवर्रक सब्सिडी के रूप में आए अतिरिक्त बोझ को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इस वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी पर 40,000– 50,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का अनुमान है। बहरहाल, ऐसा होने का अर्थ होगा कि सरकार सबसे निचले पायदान पर स्थित श्रमिक वर्ग की कीमत पर राजकोषीय सेहत बेहतर करेगी। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है। यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10–15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। वीबी–जी रामजी योजना मनरेगा की जगह लाई गई। मनरेगा के तहत 100 दिन तक मिलने वाले काम से ग्रामीण श्रम के भुगतान का न्यूनतम प्रतिमान तय होता था, जिससे होने वाली आय ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग को सहारा देती थी। उससे गांवों से पलायन घटता था, जिससे शहरी मजदूरों को भी बेहतर मेहताना मिल पाता था। इससे भारतीय बाजार का मामूली, लेकिन बड़े दायरे में विस्तार हुआ। लेकिन उसकी जगह लागू योजना मांग–आधारित नहीं रही। केंद्र एवं राज्य अब 60रू40 के अनुपात में खर्च साझा करते हैं, जैसा अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में होता है। इन पहलुओं के कारण नई योजना पर अमल सुस्त हो गया है। वित्त वर्ष 2026–27 के लिए केंद्र ने इस योजना के लिए 95,692 करोड़ रुपये रखे हैं, जबकि राज्यों का हिस्सा 1.51 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। जाहिर है, इससे योजना को लागू करने में राज्यों की दिलचस्पी घट गई है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष के बाकी पांच महीनों में गति बढ़ने पर भी केंद्र का वार्षिक खर्च 40,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा। सरकार इस पर राहत महसूस कर सकती है, लेकिन भारत के मजदूरों और अर्थव्यवस्था के लिए यह बुरी खबर है।

योगी की हैट्रिक में अड़ंगा लगा पायेंगे अखिलेश यादव, राहुल गांधी, असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद

नीरज

उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल बजने में अभी वक्त है, लेकिन लखनऊ से दिल्ली तक सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। कहीं गठबंधन की गांठें मजबूत करने की कवायद चल रही है, तो कहीं सीटों की सौदेबाजी को लेकर अंदरखाने माथापच्ची हो रही है। कोई पिछड़ों के सहारे सत्ता का रास्ता तलाश रहा है, कोई दलित–मुस्लिम समीकरण की नई इबारत लिखने में जुटा है, तो कोई अपने पुराने सामाजिक समीकरण को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रहा है। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति का मिजाज ही कुछ ऐसा है। यहां चुनाव सिर्फ लखनऊ की कुर्सी का नहीं होता, बल्कि हर जिले, हर मंडल, हर जाति और हर राजनीतिक बिरादरी के प्रभाव की परीक्षा होती है। यहां लखनऊ की गद्दी तक पहुंचने का रास्ता पूर्वांचल के गांवों से भी निकलता है, पश्चिमी यूपी के खेतों से भी, बुंदेलखंड की जमीन से भी और अवध की सियासी चौपालों से भी। 2027 की लड़ाई में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का इतिहास दोहरा पाएगी? या फिर अखिलेश यादव विपक्ष को एकजुट करके भाजपा के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौती खड़ी करेंगे? सवाल यह भी है कि क्या कांग्रेस इस बार सपा के साथ सीटों का ऐसा तालमेल बना पाएगी, जिसमें दोनों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी बची रहें और गठबंधन की जमीन भी न खिसके? और क्या ओवैसी तथा चंद्रशेखर आजाद का नया मोर्चा यूपी की राजनीति में कोई नया अध्याय लिख पाएगा? सबसे पहले भाजपा के घर की बात करते हैं। उत्तर प्रदेश में एनडीए का कुनबा पहले के मुकाबले बड़ा हुआ है। भाजपा के साथ अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे दल जुड़े हुए हैं। हर सहयोगी दल की अपनी जातीय और क्षेत्रीय राजनीतिक जमीन है। किसी की नजर पूर्वांचल पर है, किसी का प्रभाव पश्चिमी यूपी में है, तो कोई कुर्मी, निषाद, राजभर और जाट राजनीति के सहारे अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना चाहता है। खबरों के मुताबिक भाजपा 2027 के चुनाव में सहयोगी दलों के लिए लगभग 60 से 70 सीटें छोड़ने के विकल्प पर विचार कर रही है। 2022 में अपना दल और निषाद पार्टी को मिलाकर केवल 27 सीटें दी गई थीं। अब आरएलडी और सुभासपा के एनडीए में शामिल होने के बाद सीटों का गणित पूरी तरह बदल गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सभी सहयोगी दल भाजपा के सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर राजी हो जाएंगे? ओम प्रकाश राजभर की अपनी महत्वाकांक्षा है, जयंत चौधरी की अपनी राजनीतिक जमीन है, अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद की अपनी मांगें हैं। हर कोई चाहता है कि उसकी राजनीतिक ताकत के हिसाब से उसे हिस्सेदारी मिले। यही भाजपा के सामने सबसे बड़ी गठबंधन चुनौती है। क्योंकि राजनीति में सिर्फ मंच साझा करने से गठबंधन नहीं चलता, गठबंधन तब चलता है जब कार्यकर्ता एक–दूसरे के लिए वोट मांगने को तैयार हों। सीटों का बंटवारा हो भी गया तो असली परीक्षा जमीनी तालमेल की होगी। अब विपक्ष के खेमे में आइए। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को बड़ा राजनीतिक झटका दिया था। सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटें जीती थीं। इस नतीजे ने विपक्ष को यह भरोसा दिया कि अगर वोटों का बिखराव रोका जाए और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाया जाए, तो मुकाबले की तस्वीर बदल सकती है। लेकिन विधानसभा का चुनाव लोकसभा से अलग होता है। यहां 403 सीटों पर अलग–अलग उम्मीदवार, स्थानीय समीकरण, जातीय प्रभाव और संगठन की ताकत काम करती है। सबसे बड़ी मुश्किल सीटों का बंटवारा है। कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन बढ़ाना चाहती है। वह सिर्फ कुछ सीटों पर चुनाव लड़कर संतुष्ट नहीं होना चाहती। दूसरी तरफ अखिलेश यादव का तर्क है कि सीटों का बंटवारा संख्या के आधार पर नहीं,



बल्कि जीतने की क्षमता के आधार पर होना चाहिए। कांग्रेस की ओर से बड़ी संख्या में सीटों की मांग और सपा की ओर से जीतने योग्य सीटों पर जोर की खबरें सामने आती रही हैं। 13 नवंबर को अखिलेश यादव ने अपने मौजूदा सहयोगियों के साथ आगे बढ़ने की बात कही और प्छक्। गठबंधन को स्थायी राजनीतिक साझेदारी बताया। लिहाजा गठबंधन की संभावना बनी हुई है, लेकिन सीटों की पंचायत अभी सबसे बड़ा पेच है। सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी और अखिलेश यादव एक बार फिर 2024 वाला तालमेल दोहरा पाएंगे? अगर दोनों दलों में समझौता होता है तो विपक्ष के लिए यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आधार होगा। लेकिन अगर कांग्रेस ज्यादा सीटों पर अड़ती है और सपा अपनी शर्तों पर कायम रहती है, तो दोस्ती की परीक्षा लखनऊ की सीटों पर ही हो जाएगी। साथ ही अब इस चुनावी कहानी में सबसे नया और महत्वपूर्ण मोड़ आ गया है। असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने हाथ मिलाकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाने का ऐलान कर दिया है। चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है और दोनों दलों ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। यह गठबंधन दलित, मुस्लिम और पिछड़े वर्गों को एक साझा राजनीतिक मंच देने का दावा कर रहा है। दोनों नेताओं ने सपा और कांग्रेस को भी इस मोर्चे में शामिल होने का न्योता दिया है। लेकिन यहां असली सवाल है कि क्या राजनीतिक मंच पर दलित और मुस्लिम एकता का नारा वोटों में भी उसी तरह तब्दील हो पाएगा? क्या चंद्रशेखर आजाद अपनी संसदीय पहचान को पूरे प्रदेश में संगठनात्मक ताकत में बदल पाएंगे? क्या ओवैसी की पार्टी अपने प्रभाव वाले इलाकों से बाहर भी राजनीतिक विस्तार कर पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या यह मोर्चा सपा के सामने एक नया विकल्प खड़ा करेगा या फिर कुछ सीटों पर विपक्षी मतों के बंटवारे का कारण बनेगा? इसका जवाब अभी से तय नहीं किया जा सकता। इतना जरूर है कि इस गठबंधन ने 2027 की राजनीतिक चर्चा में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। साथ ही इस पूरी सियासी बिसात में मायावती को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बसपा सुप्रीमो साफ कर चुकी हैं कि पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। यानी फिलहाल मायावती किसी गठबंधन की बैसाखी लेने के बजाय अपने पुराने संगठन और सामाजिक आधार को फिर खड़ा करने की कोशिश में हैं। बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपना पुराना जनाधार वापस हासिल करने की है। 2022 में पार्टी सिर्फ एक विधानसभा सीट जीत पाई थी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उसकी राजनीतिक भूमिका खत्म हो गई है। यूपी में कई सीटों पर बसपा का प्रभाव चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अब देखना होगा कि मायावती दलित राजनीति में अपना पुराना भरोसा फिर कायम कर पाती हैं या चंद्रशेखर आजाद जैसे नए चेहरे उस राजनीतिक जमीन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाते हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरणों को समझे बिना चुनाव की चर्चा अधूरी है।

राहुल ने कहा सच से हराएंगे, मोदी सच का सामना कर पाएंगे



विकास

जनता में भी जागरूकता आई है। उसका दबाव बन रहा है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट आयोग के खिलाफ राहुल की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। अगर यह दबाव नहीं बना होता। राहुल मार्च करते हुए सुप्रीम कोर्ट नहीं गए होते तो यही कोर्ट कहता कि आपका नाम तो नहीं कटा। आप प्रभावित पक्ष नहीं हैं। याचिका खारिज कर देता! परिवर्तन की एक लंबी कड़ी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हैदराबाद में वही कहा जो उनकी मां सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलान्गिंग रू ए जर्नी आफ लव में लिखा है। राहुल ने सत्य अहिंसा और प्रेम से जीतने की बात कही है। सोचिए उन नफरती, राहुल के ही शब्दों में उन क्रिमिनल माइंड सेट वालों के खिलाफ जिनकी राजनीति ही झूठ पर आधारित है।लेकिन राजनीति में समय ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। यही बात राहुल ने अगर पहले कही होती तो मीडिया उपहास उड़ाता। मगर अब राहुल ने अपनी मेहनत और सच बोलने की लगातार दिखाई हिम्मत से गोदी मीडिया और भाजपा को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। लगने लगा है कि मोदी का सिंहासन डांवाडोल है और यह कमाल उन्हीं की तरह झूठ और फरेब की राजनीति करके नहीं बल्कि सच बोलकर, लोगों में हिम्मत पैदा करके उन्हें साथ लेकर हुआ है। राहुल कहते हैं कि वे कोई काम प्लान बनाकर नहीं करते। हम उनकी इस बात को मानते हैं। इसके कई नुकसान भी देखे हैं और अब फार्म में आए एक बैट्समेन की तरह उसकी सफलता भी देख रहे हैं। एक फार्म में आया हुआ बैट्समेन जिस तरह स्कोर बोर्ड नहीं देखता, पब्लिक गैलरी से उठता हुआ तारीफ का शोर नहीं सुनता केवल उसकी आंखें बाल पर होती हैं वैसे ही राहुल की निगाहों में इस समय सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी हैं। उन्हें वे रोज डिबेट के लिए ललकार रहे हैं। तथ्यों पर। आमने सामने। जज भी बोल दिया कि आपका होगा। संघ प्रमुख मोहन भागवत से लेकर अडानी तक किसी को बना लीजिए। टेलिप्राम्टर भी ले आइए। यह नई बात राहुल ने तब कही जब पत्रकारों के दीवाली मिलन में वे उन्हें बधाई के लिए भी टेलिप्राम्टर इस्तेमाल करते देखे गए। सब कुछ मोदी का कह दिया। बस एक बात ही नहीं कही है कि गोदी मीडिया को भी ले आइए! हो सकता है यह भी एक–दो दिन में कह दें। राहुल उन से आमने–सामने बात करने के बहुत इच्छुक हैं। लोकसभा में वे आते नहीं हैं। लेकिन यहां–वहां राहुल पर मनगढंत आरोप लगाते रहते हैं। यह कोई नई बात नहीं है। राहुल जब से राजनीति में आए हैं भाजपा और संघ उनके पीछे पड़े हुए हैं। मगर अब जब प्रधानमंत्री मोदी ने देशद्रोही, नक्सल जैसे शब्द कहे तो राहुल ने उन्हें डिबेट के लिए चौलेंज किया। राहुल का कहना है कि उनके पास सबूत हैं। मोदी को अमेरिका ने अपने हितों के लिए प्रधानमंत्री बनवाया और वही उन्हें चला रहा है। मोदी अमेरिका को खुश करने के लिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रहे हैं।राहुल की बहुत सारी बातें पब्लिक डोमेन में हैं। मगर कुछ बातें बहुत विश्वसनीय सर्किल में। जहां से उनके पास खबरें आने लगी हैं। अपने खिलाफ हो रही साजिशों की लगातार आ रही जानकारी के बीच ही राहुल ने यह कहा कि वे लोग क्रिमिनल माइंड सेट के लोग हैं। कुछ भी कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर हरेन पांड्या, जज लोया के नाम आए। लेकिन राहुल ने दो बातें बहुत महत्वपूर्ण कहीं। एक वे मुझे भी मार सकते हैं। लेकिन डरा नहीं पाएंगे। मैं इन लोगों के खिलाफ आखिरी आखिरी तक लडूंगा। और दूसरी यह कि इन सबके बावजूद मैं इनसे भी नफरत नहीं करता। और यही बात राहुल ने अभी हैदराबाद में कही कि सत्य अहिंसा और प्रेम से विपक्ष मोदी सरकार को हराने जा रहा है। दुनिया में फासिस्ट ताकतें हर जगह सच से ही हारी हैं। हमारे देश का तो आदर्श वाक्य है सत्यमेव जयते! और यही सोनिया की किताब का मैसेज है। सत्य, प्रेम। झूठ, नफरत नहीं। सोचिए, सोनिया के खिलाफ इन लोगों ने क्या क्या नहीं कहा? क्या क्या नहीं किया? ईडी ने तीन दिन तक पूछताछ की। केस बनाया जिसे अदालत ने चलाने लायक भी नहीं समझा। संज्ञान तक नहीं लिया। इससे पहले मनमोहन सिंह के घर सीबीआई भेज दी थी कि वे डर कर कुछ सोनिया गांधी के खिलाफ कह दें। मगर उसमें भी सफलता नहीं मिली। और कहने की बात की तो कोई सीमा ही नहीं। एक से एक गंदे आरोप लगाए। उनकी बीमारी के समय भी। लेकिन सोनिया ने मनुष्यता की सारी गरिमा कायम रखते हुए इन लोगों के खिलाफ नफरत का एक शब्द भी नहीं लिखा। वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी भाजपा के दो प्रधानमंत्री दोनों के लिए उन्होंने लिखा कि कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं। जबकि वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी दोनों ने सोनिया के खिलाफ खूब व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। मोदी ने क्या क्या कहा लोगों को सब याद है। कांग्रेस की विधवा से लेकर जर्सी गाय तक, वायपेयी ने उन्हें विदेशी महिला कहा। मगर सोनिया की किताब में कहीं खटास नहीं। यहां तक कि मोदी की साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि का जिक्र सकारात्मक रूप से किया है। वाजपेयी की तो राजीव की हत्या के बाद घर आने का जिक्र करते हुए इसके लिए उनकी सराहना भी की। यही कांग्रेस का और गांधी नेहरू परिवार का संस्कार रहा है। महात्मा गांधी ने भी घृणा पाप से करो पापी से नहीं, कहा था। और सोनिया ने यही लिखा है कि– जो नेहरु गांधी ने कांग्रेस को सिखाया और जो कांग्रेस की विचारधारा है वही उन्होंने सीखा है। और सोनिया का अपने ऊपर हुए इतने व्यक्तिगत हमलों के बाद भी अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति इतना उदार और सहिष्णु बना रहना उसी विचारधारा की ताकत है। और राहुल उसी विचारधारा की ताकत से मोदी को हराने की बात करते हैं। मोदी अपने 12 साल की बात नहीं करते सत्ता में बने रहने के 25 साल का जिक्र करते हैं। मुख्यमंत्री का कार्यकाल भी जोड़कर। लेकिन इन 25 सालों में इतने कमजोर विकेट पर वे कभी नहीं रहे जितने इस समय हैं। राहुल ने उनकी छवि पूरी तरह तोड़ दी है। मोदी की ताकत उनका बहुत कौशल से गढ़ा नरेटिव (कहानी, छवि) था। 56 इंच की छाती, लाल आंखें, एक अकेला सब पर भारी! एक अजेय योद्धा की तरह।

वैश्विक राजनीति में बड़े बदलाव के आसार

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बीते कुछ वक्त से बहुत तेजी से बदलाव होता नजर आ रहा है। लगभग एक दशक से दुनिया में दक्षिणपंथी शक्तियों का बोलबाला दिखने लगा था। पूंजीवादी ताकतें तो हर दौर में राजनीति को नियंत्रण में रखने की कोशिश करती हैं, लेकिन इसके साथ–साथ कट्टरता भी बढ़ने लगी थी। अब यह सिलसिला टूटता नजर आ रहा है। बीते दिनों ब्राजील और सर्बिया के चुनाव परिणामों में उदार और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता का झुकाव नजर आया। फिर अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ा झटका मिला। स्पेन में भी यही माहौल बन रहा है और इजरायल में भी सत्ता परिवर्तन के आसार बन चुके हैं, बेंजामिन नेतन्याहू बहुमत न मिलने के बावजूद किसी भी तरह सत्ता में बने रहने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी गादी आइजेनकोट से समझौता करने की कोशिशों में हैं। तो वैश्विक व्यवस्था में नजर आ रहे इस बदलाव के बीच अब एक और बड़ी खबर आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की त्रिपक्षीय बैठक होने जा रही है।एक वक्त में अमेरिका और रूस दो ही महाशक्तियां दुनिया को अपने इशारों पर नचा रही थीं, लेकिन इस बीच चीन की ताकत भी काफी बढ़ी। क्षेत्रफल और जनसंख्या के लिहाज से चीन पहले से ही आगे था, लेकिन उसने साम्यवादी व्यवस्था के नाम पर लगभग तानाशाही को ही अपनाए रखा, मगर इस बीच आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक और तकनीकी लिहाज से खुद को काफी मजबूत कर लिया। चीन की बढ़ती ताकत के सामने अमेरिका की मनमानी पूरी तरह नहीं चल पाई। इधर रूस की ताकत सोवियत संघ के विघटन के बाद कम हुई, लेकिन फिर व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में बने रहने से वैश्विक राजनीति में उसका महत्व बना रहा।तो वैश्विक राजनीति के तीन अहम किरदार, अमेरिका, रूस और चीन एक साथ बैठ रहे हैं, यह एक बड़ी परिघटना हो सकती है। दरअसल 18 और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन में एशिया–पैसिफिक इकानॉमिक कोऑपरेशन (एपेक) का शिखर सम्मेलन हो रहा है, इस दौरान तीनों देशों के नेता अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। रूस का कहना है कि तीनों नेताओं की यह बैठक एपेक समिट के दूसरे दिन 19 नवंबर को हो सकती है। वैसे अभी से अनुमान लगाना कठिन है कि तीनों के बीच किस मुद्दे पर खास चर्चा होगी। क्योंकि तीनों की प्राथमिकताएं और वैश्विक राजनीति के समीकरण अलग–अलग हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में मुख्य रूप से परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने (न्यूक्लियर नॉन–प्रोलिफरेशन) पर चर्चा होगी। हालांकि अमेरिका और रूस के विशाल परमाणु जखीरे के सामने अपना भंडार बहुत छोटा होने की वजह से चीन की दिलचस्पी इसमें कितनी होगी, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस समय के हालात को देखते हुए इस बैठक में कई मुद्दे प्रभावी हो सकते हैं। अमेरिका ने इजरायल को बढ़ाने के लिए ईरान पर हमला किया और ट्रंप ने उसका नुकसान चुनाव में भुगत लिया। हालांकि इजरायल अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ईरान पर हमले तेज करने की कोशिशें हो रही हैं, इधर गजा में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने गजा में नरसंहार किया है, लेकिन ट्रंप अब भी उसे बढ़ावा दिए जा रहे हैं। जबकि रूस और चीन न गजा पर हमले के पक्ष में थे, न ईरान के। बल्कि दोनों ने इसका विरोध ही किया है। इधर रूस और यूक्रेन के बीच भी युद्ध नहीं रुक रहा। अमेरिका यूक्रेन के बहाने नाटो का विस्तार करना चाह रहा था, लेकिन रूस के कारण उसकी मनमानी नहीं चली। इधर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का बढ़ता प्रभाव हर जगह बढ़ता जा रहा है, इसमें भी इन देशों के बीच होड़ लगी हुई है। तो देखना होगा कि इन तीनों देशों के बीच केवल परमाणु अप्रसार को लेकर चर्चा होगी, या व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर बात होगी या अंतरिक्ष, ए आई जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमति बनेगी।वैसे जानकार इस बैठक की तुलना 1945 की याल्टा कॉन्फ्रेंस से कर रहे हैं। सोवियत संघ के क्रीमिया में याल्टा शहर में 4 से 11 फरवरी 1945 को बिग थ्री यानी अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के नेताओं के बीच बैठक हुई थी। जिसमें पराजित नाजी जर्मनी को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और सोवियत संघ के नियंत्रण वाले चार अलग–अलग क्षेत्रों में बांटने का फैसला किया गया। पोलैंड की सीमाओं और वहां की सरकार के पुनर्गठन पर सहमति बनी, तथा युद्ध से मुक्त हुए यूरोपीय देशों को लोकतांत्रिक तरीके से शासन चुनने का अधिकार देने की बात कही गई। इसी सम्मेलन में भावी संयुक्त राष्ट्र की संरचना और सुरक्षा परिषद में मतदान प्रणाली (वीटो अधिकार) पर सहमति बनी, जो आगे चलकर सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन का आधार बना। खैर याल्टा सम्मेलन का जो दूरगामी असर वैश्विक राजनीति पर पड़ा, वैसा ही कोई असर शेनझेन की बैठक से होगा, यह कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी, क्योंकि 1945 से लेकर अब तक दुनिया में ढेर सारे बदलाव हो चुके हैं। हालांकि सियासी महत्वाकांक्षाएं अब भी वैसी ही हैं, लेकिन बदले तौर–तरीकों में उन्हें किस तरह से पूरा किया जाता है।

'भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद'

'प्रो.संजय द्विवेदी'

भारतीय समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं–भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु नए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को श्राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवसश्च के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग–बलिदान को समाज के सामने लाना रहा। भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899–1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति–रिवाजों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीवी है। प्रकृति का संरक्षण और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में वे आदर प्राप्त कर सके। इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं, समाज सुधारक हैं, प्रकृतिप्रेमी हैं,विद्रोही हैं। हर अवतार में पूर्ण। भगवान बिरसा की सोच साफ थी कि प्रकृति और वन संपदा पर जनजातीय समाज का पहला और अंतिम अधिकार है। अंग्रेजों द्वारा लाए गए वन कानूनों के माध्यम से जनजातियों को उनके ही मूल स्थान से बेदखल करने का उन्होंने ताजिंदगी विरोध किया। भगवान बिरसा के नेतृत्व में चले आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है– श्बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं, और कहा, श्यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा।श वे गांव–गांव बीमारों से मिलने जाते थे, और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे। भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है। जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली का पाठ पढ़ाने वाला जनजातीय समाज हमारा गौरव है। हमें उनसे जीवन मूल्य सीखने की जरुरत है। उनकी पारंपरिक कलाओं, प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प सब कुछ बहुत समृद्ध है। इन चर्चाओं के बीच आज भी जनजातीय समाज की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जनजातीय समाज के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुपोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी कई चिंताएं आज भी बनी हुई हैं। फिर उनके विकास योजनाओं के कारण हो रहे उनके विस्थापन की पीड़ा तो है ही। इसलिए विस्थापन को रोकने, ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के साथ पांचवीं और छठीं अनूसूची के अनुसार मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों को प्रदान करने के मुद्दे तो सामने हैं ही। जनजातीय गौरव दिवस की सार्थकता तभी है जब हम जनजातियों के जीवन से जुड़े सवालों को हल कर सकें। यह भी गौरव की विषय है इस समय देश के राष्ट्रपति पद पर जनजातीय समाज की महिला विराजमान हैं। यह देश की महिलाओं और जनजातीय समाज दोनों के लिए प्रेरणा का विषय है। ऐसे सुंदर समय में जनजातीय मुद्दों और नायकों की याद करते हुए प्रकृति प्रेमी समाज बनाने की प्रेरणा लें। यही भाव एक सुंदर दुनिया के सपने को साकार करेगा।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात ई–रिक्शा की टक्कर से स्कूल बस चालक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात ई–रिक्शा की टक्कर से गंभीर रूप से घायल स्कूल बस चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद ई–रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान और तलाश में जुटी है। घटनास्थल तथा आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल ई–रिक्शा और उसके चालक का पता लगाया जा सके।पुलिस के अनुसार, रविवार 15 नवंबर की सुबह करीब सात बजे इटौंजा क्षेत्र के भैंसामऊ पुलिया के पास सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। बताया गया कि पहाड़पुर की ओर से आ रहे एक अज्ञात ई–रिक्शा ने सड़क पर जा रहे राजू यादव (42) को टक्कर मार दी। राजू यादव ग्राम अकररिया खुर्द, थाना इटौंजा के निवासी थे और भैंसामऊ स्थित एसआर कॉलेज की स्कूल बस चलाते थे। ई–रिक्शा की टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भिजवाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर हालत के चलते उन्हें बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।हादसे में स्कूल बस चालक की मौत की खबर से परिजनों में शोक का माहौल है। घटना के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिजनों की मौजूदगी में मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दुर्घटना के बाद फरार हुए ई–रिक्शा चालक का पता लगाने के लिए पुलिस घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र मिलने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मोहनलालगंज में एक ही परिवार के चार वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए एक ही परिवार के चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी आपस में भाई हैं और मोहनलालगंज क्षेत्र के उदवतखेड़ा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।पुलिस के अनुसार, पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देश पर कमिश्नरेट पुलिस की ओर से अपराधियों और वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 15 नवंबर 2026 को मोहनलालगंज पुलिस की टीम न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंटों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उदवतखेड़ा गांव निवासी शिवकुमार (30), कमल किशोर उर्फ नन्हकू (29), प्रमोद (22) और पवन (25) को गिरफ्तार कर लिया। चारों के पिता का नाम खुशीराम है।पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपियों के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में वर्ष 2025 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसी मामले में न्यायालय की ओर से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे।

गोमतीनगर विस्तार में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस ने बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और कीमती सामान चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीली और सफेद धातु के आभूषण, चांदी के सिक्के, दो कलाई घड़ियां और निकॉन कंपनी का डीएसएलआर कैमरा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो के खिलाफ पहले से भी चोरी सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में चोरी की संपत्ति रखने से संबंधित धारा की बढ़ोतरी की है। तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।पुलिस के मुताबिक, सरस्वती पुरम में कामाख्या मंदिर के पास रहने वाली एक महिला 23 अक्टूबर 2026 को इलाज कराने के लिए हरिद्वार स्थित पतंजलि गई थीं। इस दौरान उनका मकान बंद था। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर चोरों ने करीब चार नवंबर को मकान का ताला तोड़ दिया और अंदर रखे जेवरात, कैमरा, घड़ियां तथा नकदी चोरी कर ली। महिला के वापस लौटने पर घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत दी। इस पर गोमतीनगर विस्तार थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा संख्या 208ध्2026 दर्ज किया गया।घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र और अन्य माध्यमों से संदिग्धों की तलाश की गई। जांच के दौरान तीन आरोपियों की पहचान ओम प्रकाश यादव (21), नरसिंह गौतम (24) और आनंद (22) के रूप में हुई। पुलिस टीम ने 14 नवंबर को विद्वानखंड में रेलवे लाइन के किनारे से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी किए गए आभूषण और अन्य सामान बरामद हुआ।पुलिस के अनुसार, बरामद सामान में पीली धातु की एक जोड़ी झुमकी, सफेद मोती लगा रानी हार, एक बाजूबंद, एक चूड़ी, महिलाओं की एक अंगूठी और कान के टॉप्स शामिल हैं। इसके अलावा 186 ग्राम वजन की छह जोड़ी चांदी की पायल, 10 ग्राम की चार बिछिया, करौली सरकार के दो लॉकेट, सात ग्राम की चार अंगूठियां, 80 ग्राम वजन के सात चांदी के सिक्के और 90 ग्राम वजन के सफेद धातु के आठ सिक्के भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दो टाइटन कलाई घड़ियां और निकॉन कंपनी का डी–3200 मॉडल का काला डीएसएलआर कैमरा भी बरामद किया है।जांच में ओम प्रकाश यादव का पूर्व आपराधिक इतिहास सामने आया है। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में गोमतीनगर विस्तार, गोमतीनगर और बीबीडी थानों में चोरी तथा चोरी का माल रखने से संबंधित छह मुकदमे दर्ज हैं। वहीं नरसिंह गौतम के खिलाफ वर्ष 2025 और 2026 में चिनहट, महानगर, बिजनौर और बाराबंकी के कोतवाली थाने में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। तीसरे आरोपी आनंद के खिलाफ भी वर्ष 2025 में महिगवां थाने में मारपीट सहित विभिन्न धाराओं और बाराबंकी के कुर्सी थाने में चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।पुलिस ने बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की है। गिरफ्तार आरोपियों में ओम प्रकाश यादव मूल रूप से बहराइच, नरसिंह गौतम बाराबंकी और आनंद लखनऊ के महिगवां क्षेत्र का निवासी है। तीनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक बृजेश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक अजय शुक्ला, उपनिरीक्षक लवलेश कुमार, मुख्य आरक्षी रामू यादव और आरक्षी रवीन्द्र कुमार शामिल रहे।

कर्नाटक में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगे पीयू के 10 स्वयंसेवक

कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, 21 से 27 नवंबर तक हासन में आयोजित होगा शिविर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 10 स्वयंसेवक कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने स्वयंसेवकों से संवाद कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह शिविर 21 से 27 नवंबर तक कर्नाटक के हासन स्थित एसडीएम आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित होगा। इसमें देश के 10 राज्यों के स्वयंसेवक प्रतिभाग करेंगे। रवाना होने से पहले कुलपति ने स्वयंसेवकों से शिविर में उत्तर प्रदेश की संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत करने की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। स्वयंसेवकों ने बताया कि वे लोकगीत, लोकनृत्य, सांस्कृतिक परंपराओं और विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेंगे। साथ ही अन्य राज्यों से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद कर उनकी संस्कृति, कला और परंपराओं को जानने का अवसर भी मिलेगा। कुलपति प्रो. सिंह ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ शिविर में प्रतिभाग करें तथा अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्वविद्यालय एवं प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने शिविर से प्राप्त अनुभवों को विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुषमा मिश्रा (मड़ियाहूं पीजी कॉलेज) सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता - डीएम उमेश मिश्रा

टीम भावना से होगा काम, जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगीय जनगणना में सही जानकारी देने और मतदाता सूची में नाम जांचने की अपील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर के नवागत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ टीम भावना से काम किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कार्यों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और आम लोगों को एक ही काम के लिए बार–बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ सरलता और सुगमता से मिल सके। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा रहा है तथा विभिन्न बूथों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके ऐसे युवा, जिनका नाम सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म–6 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं, मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फॉर्म–7 का उपयोग किया जा सकता है। डीएम ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और छात्र समूहों के साथ बैठकें की जाएंगी। इसके साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी करने और मांगी गई जानकारी सही–सही उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही लोगों को आगाह किया कि वे किसी के साथ अपना ओटीपी साझा न करें।

समेकित शिक्षा के तहत आयोजित हुआ उपकरण वितरण शिविर, बच्चों को उपलब्ध कराए गए जरूरी संसाधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी राह आसान बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को समेकित शिक्षा के अंतर्गत सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पात्र दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। उपकरण पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की शारीरिक कठिनाइयों को कम करने के साथ ही उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने–जाने और पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि दिव्यांगता किसी भी बच्चे की शिक्षा और प्रतिभा के विकास में बाधा नहीं बननी चाहिए। प्रत्येक बच्चे को समान शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। समेकित शिक्षा के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरणों के माध्यम से बच्चों को दैनिक गतिविधियों में सुविधा मिलेगी और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। बच्चों की शिक्षा, सहभागिता और सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि उचित सहयोग, संसाधन और अवसर मिलने पर दिव्यांग बच्चे भी शिक्षा एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल,खंड विकास अधिकारी मछली शहर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर कुमार उपाध्याय,स्पेशल एजुकेटर मनोज गुप्ता,सीमा सिंह,आशीष शुक्ला फिजियोथैरेपिस्ट,पी डी तिवारीआदि लोग उपस्थित रहे।

मल्हनी के गौरव को विधायक लकी यादव का सम्मान, वैज्ञानिक डॉ. लालजी सिंह के नाम से बनेगा स्मृति द्वार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। जनपद की धरती पर जन्म लेकर देश और दुनिया में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले महान वैज्ञानिक एवं डीएनए फिंगरप्रिंटिंग के जनक डॉ. लालजी सिंह को सम्मान देने की दिशा में मल्हनी विधानसभा के समाजवादी पार्टी विधायक श्री लकी यादव ने सराहनीय पहल की है। विधायक की विकास निधि से सिकरारादूबरईपार मार्ग पर महान वैज्ञानिक डॉ. लालजी सिंह के नाम से स्मृति द्वार का निर्माण कराया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. लालजी सिंह ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी असाधारण उपलब्धियों से न केवल जौनपुर, बल्कि पूरे देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया था। ऐसे महान व्यक्तित्व की स्मृतियों को संजोने और आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान से परिचित कराने के उद्देश्य से विधायक लकी यादव ने यह पहल की है। गौरतलब है कि वर्ष 2020 के उपचुनाव के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वैज्ञानिक डॉ. लालजी सिंह के नाम पर मार्ग का नामकरण किए जाने की घोषणा की थी। लेकिन लगभग छह वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त घोषणा धरातल पर साकार होती दिखाई नहीं दी। इस संबंध में विधायक लकी यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के लोग घोषणाएं और जुमले करने में आगे हैं, लेकिन जब विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की बात आती है तो विपक्ष के विधायकों के साथ भेदभाव किया जाता है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बावजूद कार्य नहीं हुआ, जबकि उन्होंने अपनी विकास निधि से इस महान वैज्ञानिक को सम्मान देने का प्रयास किया है। विधायक ने कहा कि डॉ. लालजी सिंह जैसे महान वैज्ञानिक किसी एक क्षेत्र या दल की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव हैं। उनके योगदान को सम्मान देना हम सभी का नैतिक दायित्व है। मल्हनी की माटी के इस महान सपूत को सम्मान देने की यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

घुमंतू समाज के बच्चों के हाथों में किताब और सिर पर पक्की छत देना सरकार की प्राथमिकता - पंकज चौधरी



लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 में अभी समय है, लेकिन सपा नेताओं ने अभी से सत्ता में आने पर देख लेने की धमकियां देनी शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह की बयानबाजी को देखते हुए शिवपाल सिंह यादव को आठ नवंबर को अपने जिला अध्यक्षों को निर्देश देना पड़ा कि सत्ता में आने की धमकी देने से बचें। चौधरी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की राजनीति परिवारवाद तक सीमित रही है और उसे गरीबों, शोषितों, वंचितों तथा घुमंतू एवं विमुक्त समाज के हितों की चिंता नहीं रही।रविवार को कन्नौज के बोर्डिंग ग्राउंड में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित घुमंतू समाज सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी नवाब सिंह यादव को वर्ष 2026 में सजा हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के बड़े नेता उसके बचाव में लगे थे। प्रदेश में सपा की सरकार होती तो उसे सजा नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि जनता को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले वर्ष 2017 के पहले और उसके बाद के उत्तर प्रदेश की स्थिति की तुलना स्वयं करनी चाहिए।भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए चौधरी ने कहा कि इत्र नगरी कन्नौज अपनी खुशबू और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां के पुरखों ने सदियों से जल, जंगल और जमीन को संरक्षित रखने के साथ अपनी संस्कृति को भी सहेजने का काम किया है। जनजातीय गौरव दिवस महान नायकों के योगदान और बलिदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश इन महान नायकों को याद कर रहा है, तब लंबे समय तक प्रदेश में शासन करने वाले दलों ने इस समाज के उत्थान के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि परिवारवादी दलों की राजनीति अपने परिवार के विकास से शुरू होकर उसी पर समाप्त हो जाती है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कार्यों को चार शब्दों में समझा जा सकता है– घर, पढ़ाई, कमाई और दवाई। सरकार और समाज के रिश्ते का आधार सम्मान, पहचान, अवसर और विकास है। घुमंतू समाज की जीवनशैली आज दुनिया के लिए मिसाल है और विकसित भारत 2047 का सपना इस समाज की भागीदारी के बिना पूरा नहीं हो सकता। अब इस समाज के बच्चों के लिए भी कोचिंग से लेकर कलेक्टर बनने तक का रास्ता खुला है। सरकार की प्राथमिकता विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।उन्होंने कन्नौज के सांसद और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पीढ़ियों तक सत्ता का सुख भोगने के बावजूद उन्हें घुमंतू समाज के बच्चों की शिक्षा, आवास और स्वाभिमान की चिंता नहीं हुई। उनकी राजनीति परिवार बचाने और तिजोरी भरने तक सीमित रही। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद दशकों तक देश के महान नायकों की गाथाओं और समाज के अधिकारों को इतिहास में उचित स्थान नहीं मिला।

शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने और विरोध पर मारपीट करने का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। बिजनौर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और शादी की बात कहने पर उसके साथ मारपीट व गाली–गलौज करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर युवती और उसके माता–पिता को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।पुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर 2026 को पीड़िता ने बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि ओमेक्स सिटी, बिजनौर रोड निवासी गौरव सिंह (27) ने उसे शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब उसने गौरव से शादी करने के लिए कहा तो आरोपी कथित तौर पर गाली–गलौज करने लगा और उसके साथ मारपीट की। पीड़िता का यह भी आरोप है कि गौरव ने उसे और उसके माता–पिता को जान से मारने की धमकी दी।शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी गौरव सिंह के खिलाफ मुकदमा संख्या 321ध्2026 दर्ज किया। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 115(2), 351(3) और 352 के तहत कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया।

बिरसा मुंडा के संघर्ष और जनजातीय विरासत को सहेजने पर दिया जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बहराइच के सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड उपस्थित रहे। इस मौके पर मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौर और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के सहायक प्रोफेसर डॉ. राम शंकर उरांव ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार रखे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा भगवान बिरसा मुंडा के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया गया और आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. जगमोहन थांती ने अतिथियों और उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी। मंच संचालन डॉ. मंजरी राज ओरांव ने किया।

महिला को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरानगर थाना क्षेत्र में महिला को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट करने के वायरल वीडियो के मामले में पुलिस ने रविवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नदीम (35) पुत्र वसीम सिद्दीकी निवासी चांदन, खुर्रमनगर के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में पहले ही सात आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। ताजा गिरफ्तारी के बाद मामले में पकड़े गए आरोपियों की संख्या आठ हो गई है।पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर 2026 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ लोग एक महिला को बांधकर उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद इंदिरानगर पुलिस ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू की। छानबीन में पता चला कि पीड़ित महिला मूल रूप से बाराबंकी की रहने वाली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला के पति ने बताया कि वह उसकी पत्नी है और उस पर बच्चे की चोरी करने का प्रयास करने का आरोप सही नहीं है।इस मामले में 10 नवंबर को महिला के पति ने इंदिरानगर थाने में लिखित शिकायत दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सनीउदल, सरीफुल, जमालुद्दीन समेत पांच–छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा संख्या 301/2026 दर्ज किया था।

यातायात नियमों की अनदेखी करने पर 1371 वाहनों का हुआ ई चालान



अयोध्या।यातायात माह नवंबर–2026 के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्र में यातायात पुलिस व जनपदीय पुलिस ने संयुक्त अभियान चला रही है।इस मौके पर यातायात नियमों की अनदेखी करने पर 1371 वाहनों का ई–चालान किया गया। यातायात पुलिस उच्चाधिकारियों के मुताबिक इस अभियान मे बिना हेलमेट के 640, ओवरस्पीडिंग के 463, तीन सवारी के 53, नो पार्किंग के 53, प्रेशर हॉर्न के 25 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के 27 मामले मे वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई।इसके अलावा शराब के नशे में वाहन चलाने वाले सात, सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले सात तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।बताया कि वहीं,शहर के साहबगंज स्थित बाबू बालिका इंटर कॉलेज और श्याम सुंदर सरस्वती कॉलेज में स्कूली बच्चों को यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों की जानकारी देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की अपील की गई।

गोरखपुर में घर से 15 लाख रुपये की नकदी और जेवरात चोरी, छठ पर्व मनाने गांव गया था पूरा परिवार

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक घर से 15 लाख रुपये नकद और 400 ग्राम सोने के जेवरात उड़ा लिए। चोरी गए जेवरात की कीमत करीब 55 से 60 लाख रुपये बताई जा रही है। यह घटना शनिवार की रात जंगल अयोध्या प्रसाद के निकट पांडेय कालोनी स्थित शकुंतला निवास में हुई। चोरों ने अलमारी और तिजोरी का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के डकई निवासी सूरज पांडेय और विपुल पांडेय इस मकान में अपने परिवार के साथ रहते हैं। वे राधेश्याम पांडेय के पुत्र हैं। घटना के समय सूरज पांडेय अपने परिवार के साथ छठ पर्व मनाने गांव गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 6 बजे वे गांव के लिए निकले थे। रविवार सुबह करीब 7 बजे सूरज पांडेय को मोबाइल पर घटना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची रामगढ़ताल पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। डॉग स्क्वाड ने भी घटनास्थल पर खोजबीन की। सूरज पांडेय और विपुल पांडेय रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के पांडेय टोला निकट जंगल अयोध्या प्रसाद के पास मकान बनवाकर रहते हैं। विपुल दुबई में एक कारोबार चलाते हैं। सूरज पांडेय ने बताया कि कैंपियरगंज में उनकी शराब की दो दुकानें हैं। परिवार छठ पर्व मनाने के लिए गांव गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। चोरों ने अलमारी और लॉकर तोड़कर लगभग 15 लाख रुपये नकद चुराए। इसके साथ ही 400 ग्राम सोने के जेवरात भी ले गए।

मुस्तफिजुल की मौत की मजिस्ट्रेटियल जांच शुरू

गोरखपुर, (संवाददाता)। एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारे गए आजमगढ़ निवासी मुस्तफिजुल हसन उर्फ बाबू की मौत की मजिस्ट्रेटियल जांच शुरू हो गई है। जिलाधिकारी ने जांच की जिम्मेदारी एसडीएम चौरीचौरा को सौंपी है। जांच अधिकारी ने एसएसपी से मुठभेड़ से संबंधित मुकदमे की पत्रावली और मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) से पोस्टमार्टम रिपोर्ट मांगी है। मामले में 25 नवंबर 2026 को सुनवाई होगी। घटना के संबंध में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति अपना बयान या साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। 13 जुलाई 2026 को खोराबार क्षेत्र में एसटीएफ और मुस्तफिजुल हसन उर्फ बाबू के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें मुस्तफिजुल की मौत हो गई थी। एसटीएफ के मुताबिक, वह एक नेता की हत्या करने के इरादे से आजमगढ़ जा रहा था। घटना के बाद पुलिस कार्रवाई और मुठभेड़ की परिस्थितियों की जांच के लिए मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए थे। जांच के क्रम में एसडीएम चौरीचौरा ने एसएसपी डॉ. कौस्तुभ से संबंधित मुकदमे की पत्रावली और सीएमओ से पोस्टमार्टम रिपोर्ट तलब की है। इन अभिलेखों के परीक्षण के साथ ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल की जाएगी। 25 नवंबर को होने वाली सुनवाई में कोई भी व्यक्ति अपना बयान या साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

'दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण शिविर की अवधि बढ़ी'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'



'शाहजहाँपुर' दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ–पैर एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, शाखा शाहजहाँपुर तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय के सहयोग से आयोजित शिविर की अवधि बढ़ाकर अब 18 एवं 19 नवंबर 2026 कर दी गई है। शिविर में अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने और कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति इस सुविधा से वंचित न रह जाए, इस उद्देश्य से रेडक्रॉस के सचिव डॉ विजय जौहरी द्वारा जनहित में जनपद के प्रत्येक पात्र व्यक्ति के लिए यह अवसर दो दिन के लिए और बढ़ाया गया है। अब जनपद के सभी विकासखंडों के दिव्यांगजन निर्धारित तिथियों में पहुँचकर कृत्रिम हाथ–पैर, कैलिपर्स एवं अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों के लिए अपना परीक्षण एवं माप कराकर शिविर का लाभ उठा सकते हैं। शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी कार्यालय में किया जा रहा है। पात्र दिव्यांगजन अपने साथ आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर तथा पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आएँ। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि रेडक्रॉस का उद्देश्य मानव सेवा के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ाना है। उन्होंने जनपद के सभी पात्र दिव्यांगजनों से अपील की कि बढ़ाई गई अवधि का लाभ अवश्य उठाएँ। साथ ही संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से अनुरोध किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार–प्रसार कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक उनकी जानकारी और लाभ पहुँचाना सुनिश्चित करें। डॉ. विजय जौहरी ने बताया कि इससे पूर्व 16 एवं 17 नवंबर को आयोजित शिविर में भी विभिन्न विकासखंडों के दिव्यांगजनों ने भाग लेकर कृत्रिम हाथ–पैर एवं सहायक उपकरणों के लिए परीक्षण व पंजीकरण कराया था। जनपद के प्रत्येक विकासखंड के अधिकाधिक दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शिविर की अवधि बढ़ाकर 18 एवं 19 नवंबर तक की गई। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस सोसाइटी पूर्व में भी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल के लिए पात्र दिव्यांगजनों के चयन एवं चिन्हांकन हेतु शिविर आयोजित कर सहयोग कर चुकी है। भविष्य में भी विभिन्न विभागों के समन्वय से दिव्यांगजनों के हित में ऐसे सेवा कार्य जारी रखे जाएँगे।

14 कोसी व 5 कोसी परिक्रमा के साथ कार्तिक पूर्णिमा को लेकर अयोध्या कैंट स्टेशन पर आरपीएफ का सघन चेकिंग अभियान जारी



अयोध्या।14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा के साथ कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ हरीश शाही के निर्देश पर स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान स्टेशन पर आने–जाने वाले यात्रियों के सामानों की गहन जांच की गई।चेकिंग अभियान के दौरान आरपीएफ कर्मियों मे सहायक उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार सिंह, नीलम, आरती सुमन सहित अन्य आरपीएफ कर्मियों ने स्टेशन परिसर में यात्रियों के बैग और सामानों की जांच की।वहीं स्टेशन परिसर में अतिक्रमण कर खड़े ई–रिक्शा और टेंपो के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने के निर्देश दिए गए।प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ हरीश शाही ने बताया कि 14 कोसी व पंचकोशी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा स्नान को देखते हुए सुरक्षा सतर्कता लगातार बढ़ाई जा रही है।कैंट रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर–बाहर के साथ ही यहां से गुजरने वाली ट्रेनों में भी आरपीएफ जवानों द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने रेल यात्रियों से अपील की कि किसी भी लावारिस या संदिग्ध वस्तु को न छुएं। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देती है तो तत्काल आरपीएफ को सूचना दें,जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

'हरदोई में एक प्रशिक्षु आईएएस सहित पाँच पीसीएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' सोमवार को जनपद में प्रशासनिक कार्यहित एवं जनहित को देखते हुए जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने एक प्रशिक्षु आईएएस सहित पाँच उपजिलाधिकारीध्उप जिला मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया है।

भाड़ा 2 हजार कम मिला तो शव को वापस ले आया चालक

अयोध्या।अयोध्या से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को तार–तार कर दिया है।आरोप है कि एक प्राइवेट एम्बुलेंस चालक ने सिर्फ दो हजार रुपए भाड़ा कम मिलने पर शव को वाराणसी से वापस अयोध्या मेडिकल कॉलेज लाकर छोड़ दिया।मृतक की पत्नी रो–रोकर उससे अनुनय–विनय करती रही,लेकिन चालक को जरा सा भी तरस नहीं आया।मामले की जानकारी होने पर पुलिस ने वाहन चालक का चालान करने के साथ एम्बुलेंस को सीज कर दिया है।जानकारी के मुताबिक दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती अम्बेडकरनगर निवासी राम सरन की मौत हो गई थी। उसकी पत्नी शव को वाराणसी ले जाना चाहती थी। मेडिकल कॉलेज में शव वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया। मजबूरन पत्नी ने प्राइवेट एम्बुलेंस को शव वाराणसी पहुंचाने के लिए 6000 रुपए में तय किया।एम्बुलेंस चालक शव लेकर वाराणसी पहुंच गया।पैसा न होने के कारण पत्नी सिर्फ 4000 रुपए ही दे पाई।शेष 2000 रुपए माफ करने के लिए पत्नी ने काफी मिन्नत की, लेकिन चालक नहीं माना और शव को वाराणसी से वापस अयोध्या मेडिकल कॉलेज लेकर चला आया।उसने मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में लाश रखने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने ऐसा नहीं करने दिया।इसी बीच चालक व कर्मचारियों के बीच कहा–सुनी हो गई।ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक ने चालक का चालान कर एम्बुलेंस सीज कर दी।उन्होंने बताया कि चिकित्सक की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में एम्बुलेंस चालकों की यह अकेली घटना नहीं है। आए दिन प्राइवेट एम्बुलेंस चालक लोगों की मजबूरी का सौदा कर रहे हैं। सवाल यह है कि मेडिकल कॉलेज में शव वाहन मौजूद है, फिर भी राम सरन के शव को सरकारी वाहन से वाराणसी क्यों नहीं पहुंचाया गया। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह मार्तोलिया ने बताया कि शासनादेश के अनुसार हमारा शव वाहन जनपद के बाहर शव लेकर नहीं भेजा जा सकता। जनपद के अंदर कहीं भी आवश्यकता होने पर हम शव वाहन भेजते हैं।

जयंती पर बिरसा मुंडा को किया याद

भदोही, (संवाददाता)। जिले में भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती रविवार को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। देश और समाज के हित में उनके कार्यों पर प्रकाश डाला गया। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। बिरसा मुंडा की जयंती पर ज्ञानपुर, भदोही, औराई समेत सभी छह ब्लॉक, आश्रम पद्धति विद्यालयों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों, मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग संग कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञानपुर नगर के शहीद पार्क में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश गोंड ने कहा कि बिरसा मुंडा 25 वर्ष की उम्र में ही देश के लिए एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी। हम चाहते हैं कि हमारा समाज शिक्षित हो और आगे बढ़े। इस मौके पर रामजी गोंड, विनोद कुमार गोंड, चंद्र मोहन गोंड, बलराम, सुरेंद्र, लवकुश, नागेश, सुषमा मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

रोमांचक खेलो में हिस्सा लेकर बच्चों ने उठाया लुत्फ

बांदा, (संवाददाता)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यालय के शंकर बाजार स्थित चित्रकूट पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को आकर्षक बाल मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के खान–पान के स्टॉल लगाने के साथ रोमांचक खेलों में हिस्सा लेकर जमकर मस्ती की और बाल दिवस का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार याज्ञिक, विद्यालय के प्रबंधक रचित अग्रवाल और प्रधानाचार्य सुरेशचंद्र द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अतिथियों ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित की जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और बच्चों के इस आयोजन की सराहना की। मेले के दौरान बच्चों का उत्साह चरम पर था। नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा तरह–तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों और खेल सामग्री के स्टॉल सजाए गए थे। इन स्टॉलों पर बच्चों ने स्वयं सामान बेचकर और खरीददारी कर व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव प्राप्त किया। इसके अलावा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्होंने खूब आनंद उठाया। विद्यालय पहुंचे अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों ने बच्चों के इन रचनात्मक प्रयासों, उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास की खुलकर प्रशंसा की। इस आयोजन ने बच्चों के चेहरे पर खुशी बिखेरने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता और प्रबंधन का अनूठा पाठ पढ़ाया।

माखन चोरी से गोवर्धन लीला तक गूंजी श्रीकृष्ण की महिमा, भक्तिरस में डूबे श्रद्धालु

बांदा, (संवाददाता)। जिला मुख्यालय के कछार पुरवा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा व्यास भागवताचार्य कृष्णनंदन महाराज ने भगवान श्री.ष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं, माखन चोरी और गोवर्धन पूजा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भक्ति भाव में भावविभोर हो उठे। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्री.ष्ण की प्रत्येक लीला मानव जीवन को एक नई सीख देती है। उनकी बाल लीलाएं प्रेम, वात्सल्य और भक्ति का संदेश देती हैं। भगवान ने गोवर्धन पर्वत धारण कर इंद्र के अहंकार को चूर किया और संसार को यह शिक्षा दी कि मनुष्य को कभी अपनी शक्ति, धन और पद का अभिमान नहीं करना चाहिए। गोवर्धन लीला का प्रसंग सुनाते हुए महाराज ने कहा कि प्र.ति हमारी जीवनदायिनी है। पर्वत, नदियां,वृक्ष और गौ माता मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनका संरक्षण करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। सच्ची भक्ति केवल पूजा पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवों के प्रति दया, प्र.ति के प्रति प्रेम और जरूरतमंदों की सेवा में भी निहित है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को भगवान श्री.ष्ण के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है।

भाजपा नेता पर जेसीबी से मकान और चहारदीवारी ढहाने का गंभीर आरोप

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। क्या अब किसी की पुश्तैनी संपत्ति सुरक्षित रखने के लिए भी उसे रसूखदारों के सामने हाथ जोड़ने पड़ेंगे। क्या राजनीतिक पहचान इतनी बड़ी हो गई है कि आम आदमी के मकान और उसकी चहारदीवारी पर जेसीबी चलाने के आरोप लगने लगे हैं। कुड़वार क्षेत्र से सामने आया एक मामला ऐसे ही कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। यहां चंद्रशेखर तिवारी ने भाजपा नेता अखिलेश तिवारी और शहबाज पर जेसीबी से उनका मकान और चहारदीवारी गिरवाने, गाली–गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने और संपत्ति पर कब्जे की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने कुड़वार थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता चंद्रशेखर तिवारी निवासी बहलोपुर, थाना कुड़वार के अनुसार उनके पिता ब्रह्मानंद तिवारी ने 15 नवंबर 1999 को सब–रजिस्ट्रार कार्यालय सदर सुल्तानपुर में आबादी संख्या 1607 स्थित मकान का विधिवत बैनामा कराया था। पीड़ित का कहना है कि तभी से उनका परिवार उक्त मकान पर काबिज चला आ रहा है। लेकिन चंद्रशेखर की शिकायत के अनुसार 14 नवंबर की रात उनकी संपत्ति पर जेसीबी चला दी गई। आरोप है कि अखिलेश तिवारी पुत्र स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद तिवारी निवासी सोहगौली, थाना कुड़वार और शहबाज पुत्र अज्ञात निवासी प्यारेपट्टी लोलेपुर, थाना कोतवाली नगर ने जेसीबी मंगवाकर मकान और उसकी चहारदीवारी को गिरवा दिया। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने इस कार्रवाई का विरोध किया तो उनके साथ गाली–गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। उनका यह भी आरोप है कि मकान को गिराने के पीछे संपत्ति पर कब्जा करने की मंशा थी। अब सवाल यह है कि यदि किसी संपत्ति को लेकर विवाद था तो उसका समाधान अदालत और कानून के जरिए क्यों नहीं खोजा गया। आखिर किस अधिकार से किसी के मकान पर जेसीबी चलाने की नौबत आई। क्या किसी का राजनीतिक रसूख कानून से ऊपर हो सकता है? पीड़ित चंद्रशेखर तिवारी ने कुड़वार थानाध्यक्ष से एफआईआर दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अपने परिवार की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। इस मामले में एसओ प्रवीण यादव ने बताया कि तहरीर मिली है और जांच कराई जा रही है। फिलहाल आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस जांच का इंतजार है। लेकिन मामला केवल एक मकान की चहारदीवारी गिराए जाने तक सीमित नहीं है। यह सवाल भी है कि आम आदमी की संपत्ति और सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? अब देखना यह है कि पुलिस की जांच केवल कागजों तक सीमित रहती है या फिर रसूख और

कोहरे की दस्तक से किसानों के चेहरे खिले, गेहूं की बुवाई के लिए अनुकूल हुआ मौसम

सुलतानपुर, (संवाददाता)। नवम्बर माह के मध्य में मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी है। 15 नवम्बर को क्षेत्र में कोहरे की दस्तक के साथ ही ठंड बढ़ने के आसार नजर आने लगे हैं। मौसम में आए इस बदलाव से रबी की फसलों की खेती करने वाले किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। खासकर गेहूं की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों के लिए खेतों में पर्याप्त नमी और अनुकूल तापमान की उम्मीद जगी है। नवम्बर का तीसरा सप्ताह गेहूं की बुवाई के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में मौसम का यह बदलाव किसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। स०वि०अधि०कृषि जुबेर अहमद धनपतगंज के मुताबिक गेहूं की अच्छी पैदावार के लिए खेत में पर्याप्त नमी, उचित तापमान और समय पर बुवाई बेहद जरूरी है। कोहरे और ओस से वातावरण में नमी का एहसास बढ़ता है, लेकिन केवल कोहरे को खेत की पर्याप्त नमी नहीं मानना चाहिए। किसानों को बुवाई से पहले मिट्टी की नमी अवश्य जांचनी चाहिए। चना, मटर, मसूर और सरसों जैसी रबी फसलों के लिए भी अनुकूल मौसम खेती की गतिविधियों को गति दे सकता है। वहीं आलू की बुवाई करने वाले किसानों के लिए भी तापमान का संतुलन महत्वपूर्ण है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान की 2026–27 की सलाह के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में समय से बोई जाने वाली गेहूं की फसल के लिए कई प्रकार की अच्छी किस्में अनुशंसित हैं। संस्थान ने क्षेत्र और बुवाई के समय के अनुसार प्रमाणित बीजों के चयन पर जोर दिया है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को चेताया है कि लगातार नमी, घना कोहरा और तापमान में उतार–चढ़ाव से गेहूं में पीला रतुआ तथा अन्य फफूंदजनित रोगों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए खेतों की नियमित निगरानी जरूरी है। बिना रोग की पहचान किए कीटनाशक या फफूंदनाशक का छिड़काव न करें। मिट्टी की जांच के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें और सिंचाई जरूरत के अनुसार ही करें।

महापर्व छठ पर पुलघाट और रामघाट पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल

बांदा, (संवाददाता)। लोक आस्था के महापर्व छठ पर रविवार शाम चित्रकूटधाम कर्वी के पुलघाट और रामघाट पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मइया की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्रतियों ने परिवार की सुख–समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। पूजा के दौरान छठी मइया के पारंपरिक गीतों और भक्ति भाव से वातावरण भक्तिमय बना रहा। सोमवार सुबह व्रती उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके साथ ही छठ महापर्व का समापन और चार दिवसीय व्रत का पारण होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी की ओर से दोनों घाटों पर व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग–अलग चेंजिंग रूम बनाए गए। घाटों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष साफ–सफाई कराई गई।

बाल दिवस पर बच्चों की कल्पनाओं को मिले नए रंग



सुलतानपुर, (संवाददाता)। बच्चों के सपनों को रंग देने और उनकी छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा को निखारने की एक सराहनीय पहल बाल दिवस के अवसर पर देखने को मिली। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में प्राथमिक विद्यालय रानीपुर कायस्थ, कादीपुर, सुल्तानपुर में सहायक अध्यापक डॉ.चन्द्रपाल राजभर ने बच्चों को नि:शुल्क चित्रकला सामग्री वितरित की।इस पहल का उद्देश्य बच्चों के मन में चित्रकला के प्रति रुचि एवं जागरूकता पैदा करना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को उचित अवसर प्रदान करना है। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया।डॉ.चन्द्रपाल राजभर का मानना है कि प्रत्येक बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत है तो बस उसे पहचानने, प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ने का अवसर देने की। चित्रकला केवल रंगों का संयोजन नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पनाओं, भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।उल्लेखनीय है कि डॉ.चन्द्रपाल राजभर एक अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार, और लेखक भी हैं वै शिक्षा के साथ–साथ कला के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं और विभिन्न अवसरों पर बच्चों को चित्रकला के प्रति प्रेरित करने के लिए नि:शुल्क सामग्री वितरण जैसे रचनात्मक कार्य करते रहते हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।